भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2417

बुधवार, 15 मार्च, 2023 को उत्तर देने के लिए

गगनयान मिशन

2417. श्री केसिनेनी श्रीनिवासः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गगनयान मिशन परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार ने गगनयान मिशन की परिकल्पना के लिए 2022 की समय-सीमा तय की थी, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या गगनयान मिशन के क्रियान्वयन में देरी हुई है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) परियोजना के निष्पादन में तेजी लाने के लिए सरकार क्या उपचारात्मक कदम उठाने की योजना बना रही है; और

(च) अक्तूबर 2022 तक गगनयान मिशन में सरकार द्वारा कुल कितना व्यय किया गया और विलंब के कारण हुए किसी ऊपरी व्यय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय

तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री

(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) गगनयान परियोजना की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:

I. डिजाइन संबंधी सभी क्रियाकलाप पूरे किए गए हैं, सभी प्रणालियों के लिए प्रोटो मॉडल परीक्षण प्रारंभ किए गए हैं। सभी प्रणालियों के विनिर्माण कार्य प्रारंभ किए गए हैं और ये प्रगति में हैं।

...2/-

II. मानव अनुकूलित प्रमोचन रॉकेट प्रणालियों (एच एल वी एम 3) की जांच की गई है और उन्हें अर्हक बनाया गया है। उच्चतर मार्जिनों के लिए सभी नोदन प्रणालियों की जांच पूरी की गई।

III. कर्मीदल सुरक्षा प्रणाली के प्रदर्शन हेतु परीक्षण रॉकेट टी वी -डी 1 मिशन का डिजाइन तैयार किया गया तथा प्रथम उड़ान के लिए चरण का निर्माण किया गया। टी वी - डी1 मिशन के लिए कर्मीदल मॉड्यूल संरचना सुपुर्द कर दी गई है।

IV. सभी कर्मीदल सुरक्षा प्रणाली मोटरों की स्थैतिक जांच पूरी की गई है। बैच परीक्षण का कार्य प्रगति में है।

V. अंतरिक्षयात्री प्रशिक्षण का पहला सेमेस्टर पूरा किया गया है। कर्मीदल जांच तथा मूल्यांकन संबंधी क्रियाकलाप भी पूरे किए गए हैं।

VI. कर्मीदलरहित जी1 मिशन को साकार करने हेतु कक्षीय मॉड्यूल प्रगति में है। भूमि और हवाई ड्रॉप परीक्षणों के माध्यम से पैरासूटों तथा पाइरो की अर्हता जांच चल रही है।

VII. भारतीय नौसेना, कोच्चि की जल उत्तरजीविता परीक्षण सुविधा में समुद्र से कर्मीदल मॉड्यूल की वापसी से संबंधित परीक्षण प्रारंभ किए गए।

(ख), (ग) एवं (घ)

जी हां, गगनयान के प्रथम कर्मीदल युक्त मिशन को प्रमोचित करने के लिए लक्ष्य 2022 रहा है। यथापि, लाकॅडाउन के कारण विदेशी स्रोतों से कच्ची सामग्री आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और उद्योगों से हार्डवेयर की प्राप्ति में विलंब के कारण समयानुसूची में परिर्वतन किया गया है। इसके अतिरिक्त, गगनयान सलाहकार परिषद ने कर्मीदल युक्त मिशनों से पहले परीक्षण रॉकेट (टी वी) तथा समेकित हवाई ड्रॉप परीक्षणों का उपयोग करके चार प्रायोगिक मिशनों के माध्यम से कर्मीदल सुरक्षा प्रणाली एवं अवमंदन प्रणालियों के जांच की अनुशंसा की है। यह इसके पहले निर्धारित दो कर्मीदल रहित मिशनों के अतिरिक्त है।

(ड) लॉकडाउन पश्चात चरण में विविध कार्य केंद्रो में गगनयान से संबंधित क्रियाकलापों में अच्छी प्रगति हुई। अंतरिक्ष विभाग ने डिजाइन, गुणवत्ता तथा मानव अनुकूलन प्रमाणन और द्रुत-गति प्रापण समितियों की स्थापना के लिए सभी इसरो केंद्रों में समर्पित दलों के गठन के माध्यम से गगनयान को पूरा करने हेतु विविध कदम उठाए हैं। अब लाकॅडाउन पश्चात चरण में कार्य पुन: प्रारंभ करके गगनयान से संबंधित विविध

प्रणालियों के डिजाइन पूरे किए गए हैं और यह कार्यक्रम प्राप्ति एवं परीक्षण चरण में प्रवेश कर चुका है। इस समय, गगनयान अंतरिक्ष विभाग का उच्च प्राथमिकता वाला क्रियाकलाप है।

प्रथम परीक्षण रॉकेट मिशन, टी वी- डी1 मई 2023 के लिए निर्धारित है, जिसके बाद वर्ष 2024 की पहली तिमाही में दूसरा परीक्षण रॉकेट टी वी- डी2 मिशन और गगनयान के प्रथम कर्मीदल रहित मिशन (एल वी एम 4- जी1) आयोजित किए जाएंगे।

तत्पश्चात रोबोटिक नीतभार के साथ परीक्षण रॉकेट मिशनों (टी वी- डी3 एवं डी4) तथा एल वी एम 3- जी 2 की योजना है। परीक्षण रॉकेट तथा कर्मीदल रहित मिशनों के सफल परिणाम के आधार पर वर्ष 2024 के अंत में कर्मीदल युक्त मिशन की योजना बनाई गई है।

(च) 30 अक्तूबर 2022 तक गगनयान कार्यक्रम के लिए व्यय की गई कुल राशि 3040 करोड़ रुपये है। गगनयान के लिए बजट में शामिल की गई सभी वस्तुओं का पहले ही निर्धारित क्रियाकलापों के लिए उपयोग किया गया है।

***